



Mr.



Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119669001

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
26/08/1997 :	जन्म तिथि	: 18-19/05/2000
मंगलवार :	दिन	: गुरु-शुक्रवार
घंटे 19:36:00 :	जन्म समय	: 02:15:00 घंटे
घटी 34:47:00 :	जन्म समय(घटी)	: 52:28:56 घटी
Nepal :	देश	: Nepal
Kathmandu :	स्थान	: Kathmandu
27:05:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:05:00 उत्तर
85:04:00 पूर्व :	रेखांश	: 85:04:00 पूर्व
86:15:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 86:15:00 पूर्व
घंटे -00:04:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:04:44 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:41:11 :	सूर्योदय	: 05:15:25
18:32:26 :	सूर्यास्त	: 18:47:16
23:49:25 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:28
मीन :	लग्न	: मीन
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
वृष :	राशि	: वृश्चिक
शुक्र :	राशि-स्वामी	: मंगल
मृगशिरा :	नक्षत्र	: अनुराधा
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: शनि
2 :	चरण	: 3
वज्र :	योग	: शिव
गर :	करण	: कौलव
वो-वोमेश :	जन्म नामाक्षर	: नू-नूतन
कन्या :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष
वैश्य :	वर्ण	: विप्र
चतुष्पाद :	वश्य	: कीटक
सर्प :	योनि	: मृग
देव :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मृग :	वर्ग	: सर्प

MANWENDRA SHARMA

Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan
9851036217, 9801136217

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 9मा 24दि
गुरु

21/06/2020

21/06/2036

गुरु	09/08/2022
शनि	19/02/2025
बुध	28/05/2027
केतु	03/05/2028
शुक्र	02/01/2031
सूर्य	21/10/2031
चन्द्र	19/02/2033
मंगल	26/01/2034
राहु	21/06/2036

अंश

02:54:39
09:31:59
27:29:21
13:49:55
18:49:41
21:02:00
16:48:21
26:00:55
26:02:25
26:02:25
11:49:15
03:50:26
09:03:09

राशि

मीन
सिंह
वृष
तुला
सिंह व
मक व
कन्या
मीन व
सिंह व
कुंभ व
मक व
मक व
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप व
प्लूटो व

राशि

मीन
वृष
वृश्चि
वृष
वृष
मेष
मेष
मेष
कर्क
मक
मक
मक
वृश्चि

अंश

05:17:24
04:19:31
10:22:52
16:37:26
15:44:05
26:33:21
27:57:42
27:36:52
02:16:27
02:16:27
26:56:58
12:41:11
18:03:17

विंशोत्तरी

शनि 8वर्ष 11मा 14दि
बुध

03/05/2009

03/05/2026

बुध	30/09/2011
केतु	26/09/2012
शुक्र	28/07/2015
सूर्य	02/06/2016
चन्द्र	02/11/2017
मंगल	30/10/2018
राहु	18/05/2021
गुरु	24/08/2023
शनि	03/05/2026

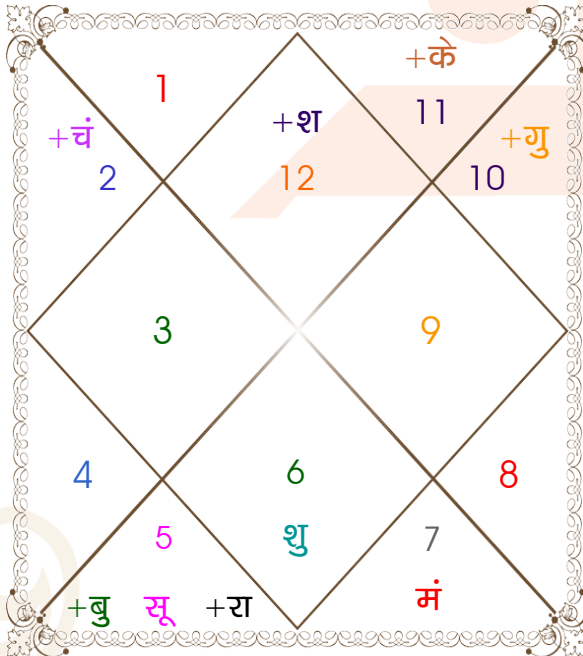
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

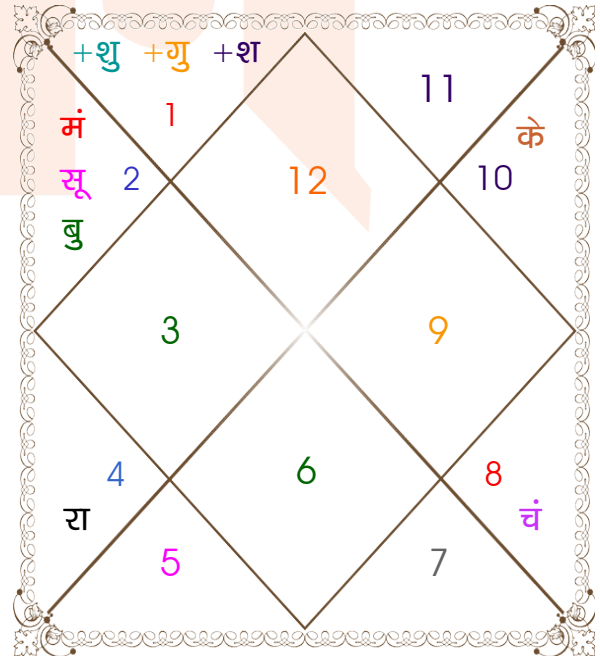
राहु : स्पष्ट

23:49:25 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:28

लग्न-चलित



लग्न-चलित



MANWENDRA SHARMA

Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan

9851036217, 9801136217

अष्टकूट गुण सारिणी

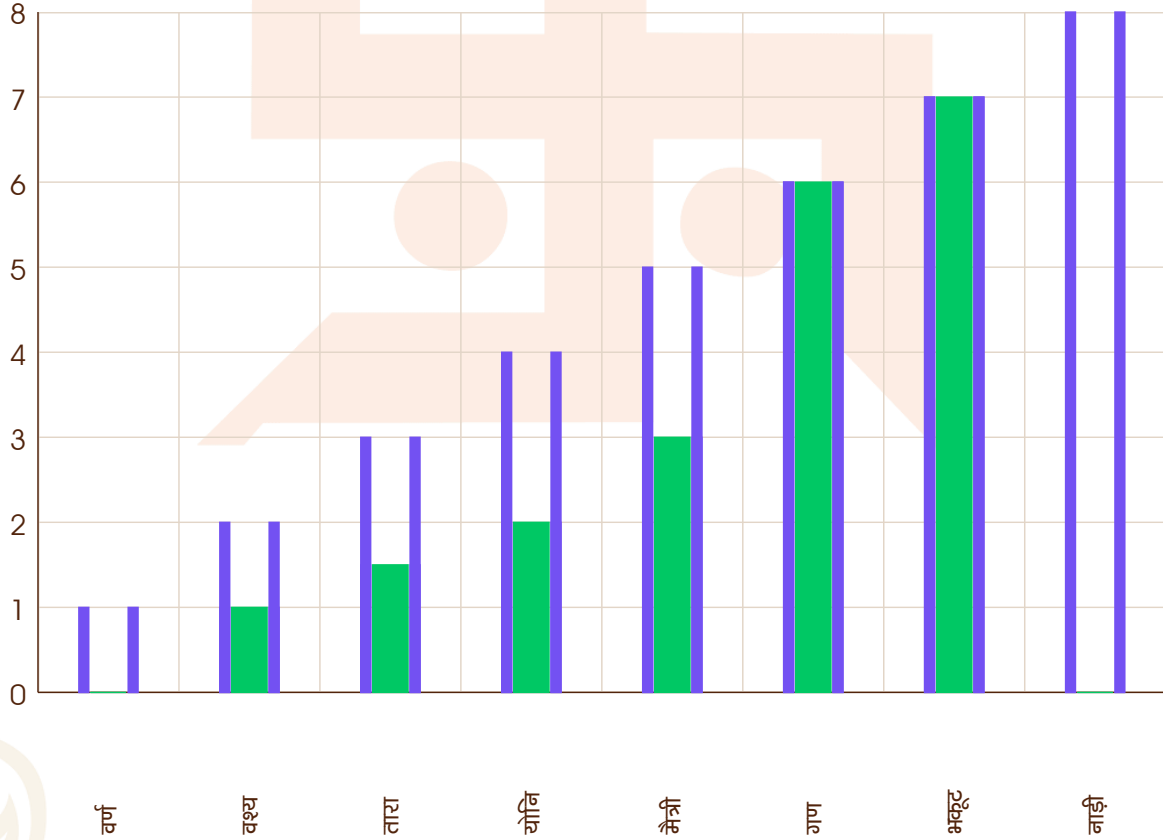
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

20.50

कुल : 20.5 / 36



MANWENDRA SHARMA

Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan

9851036217, 9801136217

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र मृगशिरा है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण वैश्य है तथा Ms. का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms. का वर्ण Mr. के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms. अति अहंकारी, शाहस्रर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Ms. को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

Mr. का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Ms. का वश्य कीट है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। चतुष्पद एवं कीट दो अलग प्रकार के प्राणी होते हैं किंतु प्रकृति में इनका सह-अस्तित्व होता है। इस प्रकार दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद भिन्न हो सकते हैं फिर भी ये एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। इसीलिए Mr. चतुष्पद एवं Ms. कीट होने पर विवाह को स्वीकृति प्रदान की जाती है यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार, पसंद/नापसंद में अंतर रहेगा। फिर भी ये दोनों एक-दूसरे के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे तथा अपने-अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Mr. की तारा वध तथा Ms. की तारा क्षेम है। Mr. की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr. बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Mr. को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ms. लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Mr. की योनि सर्प है तथा Ms. की योनि मृग है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम

MANWENDRA SHARMA

Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan
9851036217, 9801136217

की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Mr. का गण देव तथा Ms. का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr. एवं Ms. की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Mr. व Ms. को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी मध्य है तथा Ms. की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु

की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Mr. एवं Ms. का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



मेलापक फलित

स्वभाव

शारीरिक एवं मानसिक स्तर पर Mr. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। Mr. की राशि पृथ्वीतत्व वृष तथा Ms. की राशि जलतत्व वृश्चिक है चूंकि पृथ्वीतत्व तथा जलतत्व में नैसर्गिक समानता का भाव रहता है। अतः Mr. और Ms. में स्वाभाविक समानता के कारण दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता रहेगी।

Mr. और Ms. की राशियां परस्पर सप्तम भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव आप परस्पर समानता के भाव से युक्त रहेंगे तथा एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने के लिए रुचि शील रहेंगे। Mr. को चाहिए कि वे Ms. के साथ ऐसा व्यवहार करें कि उन्हें परेशानियां न हों। इसके अतिरिक्त इनमें परस्पर विश्वास का भाव भी रहेगा जिससे जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा।

Mr. का वश्य चतुष्पद है तथा Ms. का वश्य कीट है। नैसर्गिक रूप से चतुष्पद एवं कीट वश्य परस्पर मित्रता तथा समानता का भाव रखते हैं अतः शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आपकी समानता रहेगी तथा दाम्पत्य जीवन में कामभावनाओं में एक दूसरे को सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे।

Mr. का वर्ण वैश्य है अतः अपने समस्त कार्यों को वे व्यापारिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगे तथा धनार्जन संबंधी कार्यों में तत्पर रहेंगे। Ms. का वर्ण ब्राह्मण होने के कारण शैक्षणिक कार्यों में उनकी विशेष रुचि रहेगी। वे अल्पव्ययी होंगी तथा धार्मिक कार्य करने में भी रुचिशील रहेंगी।

धन

Mr. और Ms. दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके आर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. और Ms. दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे Mr. और Ms. दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से

भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Ms. के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबंधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms. के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms. को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विघ्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुंदर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr. और Ms. बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपने सास से सामान्य संबंध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Ms. यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Ms. को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Ms. को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

Mr. तथा उनकी सास के संबंधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr. के संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Mr. के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Mr. के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।

MANWENDRA SHARMA

Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan
9851036217, 9801136217